भजन

तर्ज– इतनी शक्ति हमें देना दाता

इतनी अरज करूँ तुमसे प्रीतम,आस रुह की पूरी ए कर दो
एक पल भी न देखे ए दुनिया,नूरी चरणो मे चितवन लगा दो

1 नैनो मे हमारे पिया जी ,आकर के ऐसे समाओ
नैन खोलू या बंद करूँ मैं, सिर्फ तुम ही नज़र हमको आओ
दीदार को प्यासे ए नैना, आके इनकी प्यास बुझा दो

2 विरहा की आग तन को जलाये,नैन भीगे मिलन को तड़प में
जीने मरने की उम्मीद तुम हो,और चाहूँ न कुछ जीवन में
विरहा की आग में यूँ जलाकर, इश्क प्रेम का जाम पिला दो

3 गुण अवगुण हैं जेते हमारे, अबतो सब गुण गायें तुम्हारे
मैं खुदी को अपनी मिटाकर, मगन रहूँ इश्क में तुम्हारे
साकी मेरे इश्क जाम पिलाकर,जुबां झूठी ए खामोश कर दो

4 बेखबर हो ए जीव फना से,अपनी मस्ती में ऐसा डुबो दो
जेहेर चढ़े न झूठी जिमी का,अपनी मेहेर के साये में ले लो
जीव को मेरे निर्मल करके,प्यार से अब गले से लगा लो